● प्रखंडों में भेजी गईं 350 एंबुलेंस ● मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पटना को 50 सीएनजी बसों की सौगात

बदलता पटना

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना को 50 सीएनजी बसों की सौगात दी। ये बसें राजधानी के विभिन्न रूटों पर चलेंगी। मुख्यमंत्री ने शनिवार को झंडी दिखाकर इन बसों का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने विभिन्न प्रखंडों के लिए 350 एंबुलेंस भी रवाना किए। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत उन्होंने सांकेतिक रूप से पांच लाभुकों को एंबुलेंस सौंपा। इसके साथ ही 350 लाभुकों को एंबुलेंस दी गईं। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद के समीप यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मौके पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजधानी पटना में सीएनजी बसों के परिचालन से प्रदूषण को कम करने में सहूलियत होगी। पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी इससे मदद मिलेगी। लोगों को आवागमन में भी काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बीमारी के समय गांव से शहरों के अस्पताल आने में काफी दिक्कत होती थी। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के अंतर्गत सभी प्रखंडों में दो-दो लाभुकों को एम्बुलेंस की खरीद पर अधिकतम दो लाख रुपये अनुदान दिया जा रहा है। प्रथम चरण में इस योजना के अंतर्गत आज 350 एम्बुलेंस को लाभुकों को सौंपा गया है। अक्टूबर तक 800 एम्बुलेंस की खरीद की जाएगी। इस साल के अंत तक सभी प्रखंडों में दो-दो लाभुकों को एम्बुलेंस दी जाएगी। एम्बुलेंस की सुविधा होने से कोरोना के साथ ही अन्य बीमारियों एवं सड़क दुर्घटना के शिकार होने की स्थिति में लोगों को अस्पताल तक समय पर पहुंचाया जा सकेगा। गंभीर परिस्थिति में कम से कम समय में पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने की जरूरत होती है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। ग्रामीण इलाकों में एम्बुलेंस उपलब्ध रहे, इसको लेकर ही इस योजना की शुरुआत की गई है।

05 लाभुकों को कार्यक्रम में एंबुलेंस सौंपी गई

सीएनजी-इलेक्ट्रिक में तब्दील होंगी बसें

परिवहन विभाग के सचिव संजय अग्रवाल ने इस मौके पर कहा कि पटना की सभी रूटों पर चलने वाली सरकारी बसें सीएनजी अथवा इलेक्ट्रिक बस में तब्दील होंगी। इसी क्रम में सबसे पहले नेहरू पथ (बेली रोड) पर सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में एक लाभुक को सांकेतिक रूप से एंबुलेंस सौंपते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

कहां कितनी सीएनजी बसें चलेंगी

- 06 बसें गांधी मैदान से दानापुर बस स्टैंड
- 14 बसें गांधी मैदान से दानापुर रेलवे स्टेशन
- 11 बसें गांधी मैदान से पटना साहिब
- 17 बसें गांधी मैदान से बिहटा आईआईटी
- 02 बसें एनआईटी से दानापुर हांडी साहब गुरुद्वारा

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री रेणु देवी, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव त्रिपुरारी शरण, विकास आयुक्त आमिर सुबहानी, परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, राज्य परिवहन आयुक्त सीमा त्रिपाठी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक उपेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे। वहीं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति जुड़े हुए थे।

ऑक्सीजन की पूरी व्यवस्था की जा रही

ऑक्सीजन की कमी से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में अचानक ऑक्सीजन की काफी मात्रा में जरूरत पड़ी, उसका हर तरह से समाधान किया गया। ऐसी तैयारी की जा रही है कि कोरोना समेत सभी बीमारियों के लिए कभी भी ऑक्सीजन की कमी न हो। सभी अस्पतालों में इसकी पूरी व्यवस्था की जा रही है। अगले माह तक कई जगहों पर पूरे तौर पर यह काम हो जाएगा। कुछ में कर भी लिया गया है।

अध्यक्ष पर बोले, सबको पता चल जाएगा : आरसीपी सिंह जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहेंगे के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको पता चल जाएगा। मालूम हो कि जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 31 जुलाई को दिल्ली में होनी है।